



SB-0104

Second Year B. A. Examination
March / April – 2011
Hindi (Comp.)

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

नीचे दृशावेव निशानीवाणी विगतो उत्तरवडी पर अवश्य लपवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="S. Y. B. A."/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="Hindi (Comp.)"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="1"/> <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="4"/>	Section No. (1, 2,.....): <input type="text" value="Nil"/>
Student's Signature	

- १ एक सामाजिक उपन्यास के रूप में 'निर्मला' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। १२
अथवा
- १ "निर्मला" उपन्यास एक अभागिन चारी के जीवन की अत्यंत करुण कहानी १२
है।" निर्मला के चरित्र के माध्यम से इस विधान की पुष्टि कीजिए।
- २ ममता का चरित्र-चित्रण कीजिए। १२
अथवा
- २ "आधुनिक जीवन की उदासी, अकेलापन, ऊब आदि का अंकन करने में १२
उन्होंने गहरे यर्थाथबोध का परिचय दिया है।" 'वापसी' कहानी के आधार
पर समीक्षा कीजिए।
- ३ (अ) टिप्पणीर्या लिखिए : ८
(१) 'निर्मला' उपन्यास का शीर्षक
अथवा
(१) मुंशी तोताराम
(२) 'अपना पराया' कहानी का सार
अथवा
(२) 'परीक्षा' कहानी का उद्देश्य
(आ) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : ८
(१) आजकल जो यह महारानी इतनी खुश दिखायी देती है, इसका रहस्य
अब समझ में आया।

अथवा

SB-0104]

1

[Contd...

- (१) बाधाओं पर विजय पाना और अवसर देखकर काम करना ही मनुष्य का कर्तव्य है। भाग्य के नाम पर रोने-कोसने से क्या होगा?
- (२) आप साधु हैं, आपको दुनियादारी समझ में नहीं आती। दरखास्तें पेपरवेट से नहीं दबती।

अथवा

- (२) क्या जाने हमारे धर को बुलावा आएगा या नहीं? देवरजी को मरे पच्चीस बरस हो गये, उसके बाद से तो कोई सम्बन्ध ही नहीं रखा। रखे भी कौन? यह काम तो मरदों का होता है, मैं तो मरदवाली होकरभी बेमरद की हूँ।

- ४ संज्ञा की परिभाषा देते हुए संज्ञा के भेदोपभेदों का परिचय दीजिए। १५
- अथवा
- ४ शब्द की परिभाषा देते हुए उसके भेदों की चर्चा कीजिए। १५
- ५ (अ) निम्न लिखित अंग्रेजी अथवा गुजराती परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। १०

If it is better to save life than to destroy it, then love and honour should be given to those patient-scientific investigators whose studies have shown how to lessen human suffering and prevent the spread of fatal diseases. Before a disease can be prevented it must be understood, there must be knowledge of its nature and mode of transmission, if a sure remedy is to be found and that knowledge is obtained by the man of science, whose work meets with little encouragement either officialy or publicly and is usually without reward.

- (अ) समय साथे तो आपणो संबंध विविध अने न समञ्ज शकाय ओवो छे. अमुक माणसोने कायम समयनी भेंय रडे छे, ज्यारे बीजाने ते केम पसार करवो ते प्रश्न डोय छे. अमुकने समय भणतो नथी, ज्यारे अमुकने समय जतो नथी. समय पसार करवा तेओ प्रवास करे छे, पत्ता रमे छे, जात जातना नुसपाओ करे छे, पण समय दर वपते भोहुं झाडीने तेमनी सामे ओभो ज डोय छे ओटवे प्रवास करीने तेओ वधु थाके छे.
- (आ) निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: ५
- (१) पेड में चीडीयाँ बैठी हैं।
- (२) बरफ बहुत ठंडा होता है।
- (३) महाभारत सब से श्रेष्ठतम ग्रंथ है।
- (४) घोड़े की टाँग पतली होती है।
- (५) यह पुस्तक में अनेक कविता हैं।